Scholarly Research Journal for Interdisciplinary Studies,
Online ISSN 2278-8808, SJIF 2019 = 6.380, www.srjis.com
PEER REVIEWED & REFERRED JOURNAL, JAN-FEB, 2020, VOL- 7/57

स्नातक स्तर पर सामान्य एवं व्यावसायिक पाठ्यक्रम में अध्ययनरत विद्यार्थियों की अधिगम शैली प्राथमिकताओं एवं व्यक्तित्व शीलगुणों का अध्ययन –।

पंकज पारीक[1], Ph. D. & पूर्णिमा नराणियां[2]

[1]मार्गदर्शक, प्राचार्य मंत्रम् शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय, उदयपुर राजस्थान

[2]शोधार्थी, मो.ला.सु.वि.वि. उदयपुर राजस्थान

Abstract

बालक जन्म के साथ ही अपने व्यक्तित्व के आधार पर वातावरण से अनुभव प्राप्त कर सम्बन्ध स्थापित करने का प्रयास करने लगता है यह अधिगम अनुभव उसकी व्यक्तिगत विभिन्नता एवं सीखने के तरीके से प्रभावित होते है प्रस्तुत शोध में शोधार्थी द्वारा युवा छात्रों के द्वारा अपने शैक्षिक विकास में अपनायी गई अधिगम शैलियों प्राथमिकता चयन जो उनके व्यक्तित्वशील गुणों से किस प्रकार सहसम्बन्ध रखती है पर अध्ययन किया गया। अपने शोध कार्य में सर्वेक्षण विधि का उपयोग करते हुए स्वनिर्मित उपकरण अधिगम शैली प्राथमिकता प्रश्नावली तथा प्रमापीकृत उपकरण रेमण्ड बी केटल द्वारा निर्मित 16 पी एफ का प्रशासन 80 सामान्य एवं व्यवसायिक पाठ्यक्रम के विज्ञान एवं बीटेक संकाय महाविद्यालय विद्यार्थियों पर किया गया। साख्यिकीय प्रविधियों में प्रतिशत, टीमान एवं सहसम्बन्ध का उपयोग हुआ। शोध परिसीमन क्षैत्र उदयपुर संभाग रहा।

शोध निष्कर्ष में आया कि बीटेक एवं विज्ञान संकाय के छात्र शारीरिक शैली को प्राथमिकता देते है। विज्ञान संकाय के छात्र विश्लेषणात्मक सोच रखते हुए परिस्थितियों के अनुसार व्यवहारों की क्रियान्विति करते है। बीटेक संकाय के छात्र अन्तमुखी व्यक्तित्व के होते है। वह परिस्थितियों का तनाव नहीं लेते है। दोनों संकायों के बीच दृश्य एवं लिखना/पढना शैली में अन्तर पाया जाता है। लेकिन विज्ञान तथा बीटेक संकाय के विद्यार्थियों के व्यक्तित्व कारकों में कोई सार्थक अन्तर नहीं होता है। विज्ञान एवं बीटेक संकाय के विद्यार्थियों में अधिगम शैली एवं व्यक्तित्वशीलगुणों में कुछ करकों के सन्दर्भ में सार्थक सहसम्बन्ध पाया गया।

Scholarly Research Journal's is licensed Based on a work at www.srjis.com

प्रस्तावना INTRODUCTION: & व्यक्ति के अनुकुलन में उसका ज्ञानात्मक विकास मुख्य भूमिका निर्वाह करता है। यह दो तत्वों पर निर्भर करता है प्रथम ''ज्ञान'', द्वितीय ''विश्वास''।

ज्ञान एक वस्तुनिष्ठ प्रत्यय और विश्वास आत्मनिष्ठ प्रत्यय। जब बालक ज्ञान को विश्वास के साथ प्रयोग करता है और परीक्षण के उपरान्त व्यवहार की कसौटी पर खरा उतरने पर उसे आत्मनिष्ठा के रूप में नवीन ज्ञान की रचना करता है।

Copyright © 2017, Scholarly Research Journal for Interdisciplinary Studies

हमारे ज्ञान एवं हमारी शैक्षिक तथा व्यवहारिक क्रियाओं के लिए उत्तरदायी हमारी ज्ञानेन्द्रियां है जो ज्ञान के द्वार कही जाती है बालक व्यक्तिगत विभिन्नता के साथ इन ज्ञानेन्द्रियों द्वारा अपने अनुभवों को प्राप्त करने के तरीको का संगठन करता है और उन्हें विश्वास के साथ भविष्य में उपयोग कर परीक्षित करता है। यह प्रयास जब उसकी सम्भावनाओं को पूर्ण कर देते है तो यह उसका विशेष तरीका (स्टाइल) बन जाता है- सीखने लिए ।

छात्र की रूचि, स्वभाव, आदतें, बुद्वि और वंशानुक्रम अलग अलग होते है, यह सभी तत्व मनोवैज्ञानिक, सामाजिक तथा वातावरणीय प्रभाव से प्रभावित होते है। अतः छात्र के सीखने तरीके भी प्रायः इन तत्वों से निर्देशित होकर भिन्न भिन्न रूपों में पाये जाते है। सबके सीखने का तरीका एक जैसा नहीं हो सकता है।

प्रत्येक व्यक्ति अपने व्यक्तित्त्व के आयामों की प्रधानता के आधार पर अपनी रुचियों , अभिवृद्धियों, सामथ्र्यों, योग्यताओं, अभिरुचियों तथा व्यवहार रुपों के प्रदर्शन में भिन्न-भिन्न प्रवृत्तियां रखता हैं।

प्रत्येक छात्र सीखने के लिए तरीको का चयन अपनी स्वाभाविक परिस्थितियों के अनुसार करता है। छात्र के इस सीखने की प्रक्रिया एवं अनुभवों के संगठनों में व्यैक्तिक भिन्नता के अनुसार अनेक शैलियां या तरीके प्रयोग में लाये जाते है जो उसके द्वारा प्राप्त ज्ञान को स्थाई बनाने में प्रयोग किये जाते है।

छात्र द्वारा प्रयोग में लाये जाने वाले चयनित वह तरीके जो उसके अधिगम को स्थिरता प्रदान करने में सहायता प्रदान करते है अधिगम की शैलियां कहे जाते है जो है देखकर, सुनकर, बोलकर, लिखकर, स्पर्श करके, सामाजिक, अन्तः क्रियाकारकों, तर्क द्वारा, अन्र्तदर्शन द्वारा आदि हो सकते है।

जो व्यक्तित्त्व विशेषक व्यक्ति के व्यक्तित्त्व से सम्बन्धित होते है वह इन शैली चयन में अपनी अहम भूमिका रखते हैं।

प्रस्तुत शोधकत्री द्वारा किशोरों द्वारा अपने शैक्षिक विकास में अपनायी गई इन अधिगम शैलियों की वरियता चयन के बारे में अध्ययन किया गया साथ ही यह भी देखा गया कि व्यक्ति के व्यक्तित्त्व शीलगुण शैली प्राथमिकता चयन में किस प्रकार सहसंबंध रखते हैं।

अधिगम शैली ¼LEARNING STYLE ½%&

334 & B C में अरस्तु ने कहा है कि -

"प्रत्येक बालक के पास एक विशिष्ट योग्यता एवं कुशलता होती है जिससे वह सीखता है। और वह समयान्तराल युवावस्था में अलग -अलग रूप मं स्पष्ट दिखाई देती है।" 1

Copyright © 2017, Scholarly Research Journal for Interdisciplinary Studies

प्रत्येक व्यक्ति के पास सीखने का एक विशिष्ट तरीका होता है जो प्रायः जैविक एवं अनुवांशिक गुण, वयस्कता, तथा व्यक्तिगत अनुभव से प्रभावित होता है। छात्र जब सीखने का प्रयास करते है तो वह अपनी रूचि एवं स्वाभाविकता के साथ देखकर, सुनकर , प्रयोगकर, बोलकर, अनुभव कर, अन्तःक्रिया कर सीखना पसन्द करते है, तो कुछ कार्य प्रर्दशन द्वारा प्रत्यय को समझने का प्रयास करते है। यह तरीके सभी छात्रों में भिन्न भिन्न महत्व रखते है। इन्हीं तरीको को एक प्रासांगिक चर कहा जाता है जो छात्र (मुख्य चर) के अधिगम को प्रभावित करता है और अधिगम अनुभव इसके परिणाम होते है। प्रत्येक छात्र पास एक अन्तदृष्टि, संगठन और अभिज्ञानता होती है जो एक विशिष्ट संज्ञानात्मक प्रभावशाली और शारीरिक व्यवहार का संग्रह करती है कि वह किस प्रकार अधिगम का संग्रह करे और शिक्षण वातावरण के साथ सामंजस्य स्थापित कर सके।

अधिगम शैली को विभिन्न मनोवैज्ञानिकों और शिक्षाविदों ने अलग अलग विचारों में उल्लेखित किया है वह निम्न प्रकार है- यह " अनुभव आधारित सीखने के व्यक्तिगत उपागम के बीच व्यवहार का एक विशिष्ट तरीका है (केम्पबेल 1996)2 नयी सुचनाओं और विकसित नये तरीको के बीच अपनाया गया व्यक्तिगत अधिगम मार्ग है।

मनोवैज्ञानिकों ने छात्र के सीखने के विभिन्न तरीको को बताया है और अपने परीक्षणों द्वारा परीक्षित करके उनके प्रमाणिक होने के प्रमाण प्रस्तुत किये है। कुछ के द्वारा 4, कुछ के द्वारा 3, कुछ के द्वारा 5 और कहीं 8 तरीकों की भी विवेचना की गई है।

व्यक्तित्त्व शीलगुण (PERSONALITY TRAITS)

व्यक्तित्त्व शीलगुण के जानने से पूर्व हमें व्यक्तित्त्व के बारे में जानना होगा।

व्यक्तित्त्व - व्यक्तित्त्व व्यक्ति के रुप, गुण, प्रवृत्तियों, सामथ्र्यो आदि का संगठन हैं यह उसके बा्रह्य एवं आंतरिक लक्षणों का सम्मिलित रुप हैं यह एक गतिशील समष्टि हैं।

"व्यक्तित्त्व व्यक्ति के भीतर उन मनोदैहिक गुणों का गत्यात्मक संगठन हैं जो पर्यावरण के प्रति होने वाले उसके अपूर्व अभियोजनों का निर्णय करते हैं। "25

आलपोर्ट 1937

Copyright © 2017, Scholarly Research Journal for Interdisciplinary Studies

व्यक्तितत्व के शीलगुण 26:- व्यक्त्वि के गुणों का विश्लेषण सबसे पहले आलपोर्ट ने किया उन्होने अंग्रेजी शब्दकोष से व्यक्तिव सम्बन्धी 17953 शब्द ढुंढे उनमें से 4500 शब्दो पुनः छाँटा ये शब्द व्यक्तित्व के गुणों के घोतक थे।

आलपोर्ट के पश्चात आर. बी. केटल ने व्यक्तित्व के गुणों के 171, पुनः 35 और में 12 विभाग किये।

उपरोक्त विषय आधारित भूमिका निर्माण तथा शोध प्रश्नों के उपरांत शोधकर्ती ने अपने शोध विषय के रूप में 'स्नातक स्तर पर सामान्य एवं व्यावसायिक पाठ्यक्रम में अध्यनरत विद्यार्थियों की अधिगम शैली प्राथमिकताओं एवं व्यक्तितत्व शीलगुणों का अध्ययन' विषय पर शोध कार्य किया।

शोध के उद्देश्य:- (OBJECTIVES OF RESEARCH)

1 स्नातक स्तर पर सामान्य तथा व्यावसायिक पाठ्यक्रम में अध्ययनरत विद्यार्थियों की अधिगम शैली प्राथमिकताओं का अध्ययन करना।

2 स्नातक स्तर पर सामान्य तथा व्यावसायिक पाठ्यक्रम में अध्ययनरत विद्यार्थियों के व्यक्तितत्व शीलगुणों का अध्ययन करना।

3 स्नातक स्तर पर सामान्य तथा व्यावसायिक पाठ्यक्रम में अध्ययनरत विद्यार्थियों की अधिगम शैली प्राथमिकताओं की विज्ञान/ बी. टेक संकायों में तुलना करना। ।

4 स्नातक स्तर पर सामान्य तथा व्यावसायिक पाठ्यक्रम में अध्ययनरत विद्यार्थियों के व्यक्तितत्व शीलगुणों की विज्ञान/बी.टेक संकायों में तुलना करना

5 स्नातक स्तर के सामान्य तथा व्यावसायिक पाठ्यक्रम में अध्ययनरत विद्यार्थियों के बीच अधिगम शैली प्राथमिकताओं एवं व्यक्तितत्व शील गुणों के सहसम्बन्ध को निम्न संकायों में अध्ययन करना- विज्ञान, बी.टेक..

शोध की परिकल्पना:- (HYPOTHESIS OF RESEARCH)

1 स्नातक स्तर पर सामान्य तथा व्यावसायिक पाठ्यक्रम में अध्ययनरत विद्यार्थियों की अधिगम शैली प्राथमिकताओं में कोई सार्थक अन्तर नहीं होता है।

2 स्नातक स्तर पर सामान्य तथा व्यावसायिक पाठ्यक्रम में अध्ययनरत विद्यार्थियों के व्यक्त्वि शीलगुणों में कोई सार्थक अन्तर नहीं होता है।

Copyright © 2017, Scholarly Research Journal for Interdisciplinary Studies

3 स्नातक स्तर पर सामान्य तथा व्यावसायिक पाठ्यक्रम के विज्ञान, तथा बी.टेक. पाठ्यक्रम के विद्यार्थियों के बीच अधिगम शैली प्राथमिकताओं तथा व्यक्तित्व शील गुणों में कोई सहसम्बन्ध नहीं होता है।

शोध विधि:- शोध कार्यों में निहित उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए तथा उचित दत्त संकलन के लिए शोधार्थी द्वारा अपने लक्ष्य की ओर अग्रसर होने हेतु शोध प्रकृति को ध्यान में रखते हुए वर्णनात्मक सर्वेक्षण विधि का प्रयोग किया गया।

शोध उपकरण/दत्त संकलन:- शोध कार्य में दत्त संकलन कार्य को सम्पन्न करने के लिए शोधार्थी द्वारा उपकरण के रूप में अधिगम शैली प्राथमिकताओं के मापन के लिए स्वनिर्मित प्रश्नावली उपकरण का तथा व्यक्तित्त्व विशेषकों के परीक्षण के लिए मानकीकृत उपकरण रेमन्ड बी. केटल (1956) द्वारा निर्मित 16 पी. एफ. परीक्षण का हिन्दी रूपान्तरण जो एस. डी. कपुर द्वारा किया गया हैं। इसका उपयोग किया गया।

अधिगम शैली प्राथमिकता प्रश्नावली उपकरण

यह उपकरण अधिगम शैली प्राथमिकताओं के क्षेत्र में न्यूजीलैण्ड के शिक्षा शास्त्री नील फेमिंग (1987) के द्वारा प्रतिपादित 'ज्ञानेन्द्रिय प्रतिरूप' पर आधारित ¼VARK (visual, auditary, Read/write, kinesthie)½ अधिगम शैली प्रकारों पर आधारित रहा। उनके द्वारा प्रतिपादित मानव प्रश्नावली उपकरण "How do I learn best" से मार्गदर्शन लेकर शोधार्थी भारतीय परिस्थितियों एवं महाविद्यालयी शैक्षिक वातावरण के अनुसार स्वनिर्मित उपकरण तैयार किया गया जिसका शीर्षक यह रहा।

"अधिगम शैली प्राथमिकता प्रश्नावली"

सांख्यिकीय प्रविधियां / दत्त विश्लेषण:-

1 प्रतिशत 2. मध्यमान 3. मानक विचलन

4. टी-मान 5. सह संबंध

परिसीमन:- (SCOPE)

1 प्रस्तुत शोध में उदयपुर संभाग के चार जिले उदयपुर, चित्तौड़, बांसवाड़ा, राजसमंद को सम्मिलित किया गया।

2. प्रस्तुत शोध उदयपुर संभाग में संचालित यूजीसी मान्यता प्राप्त 12 सामान्य तथा 12 व्यावसायिक महाविद्यालयों का चयन किया गया।

Copyright © 2017, Scholarly Research Journal for Interdisciplinary Studies

3. प्रस्तुत शोध में सामान्य पाठ्यक्रम संचालित विज्ञान महाविद्यालय एवं व्यावसायिक पाठ्यक्रम में बी.टेक. पाठ्यक्रम संचालित महाविद्यालयों में अध्ययनरत विद्यार्थियों का चयन किया गया।

न्यादर्श:- (SAMPLE)

1 प्रस्तुत शोध में शोधार्थी द्वारा महाविद्यालयों का चयन यादृच्छिक विधि के अंतर्गत लाटरी विधि द्वारा किया गया।

2. शोध में 4 सामान्य पाठ्यक्रम तथा 4 व्यावसायिक पाठ्यक्रम महाविद्यालयों का चयन किया गया।

3. प्रस्तुत शोध में 40 सामान्य पाठ्यक्रम तथा 40 व्यावसायिक पाठ्यक्रम के अंतर्गत अध्ययनरत कुल 80 विद्यार्थियों का न्यादर्श चयन किया गया।

4.प्रत्येक महाविद्यालय में से 5 छात्र तथा 5 छात्राओं का चयन किया गया।

प्रस्तुत शोध में शोधार्थी के द्वारा प्रांचलिक एवं अप्रांचलिक सांख्यिकीय विधियों द्वारा विश्लेषण किया गया जिसके विश्लेषण एवं व्याख्या निष्कर्ष उद्देश्यानुसार निम्नलिखित रहे -

उद्देश्य संख्या 1 स्नातक स्तर पर सामान्य पाठ्यक्रम के विज्ञान संकाय के विद्यार्थियों की अधिगम शैली प्राथमिकताओं का अध्ययन करना ।

सारणी संख्या 1 विज्ञान संकाय के विद्यार्थियों की अधिगम शैली प्राथमिकता सारणी

क्र. सं.	क्षैत्र	प्राप्तांक	प्रतिशत	प्राथ मकता
1	दृश्य	**2051**	**64.09**	द् वतीय
2	श्रव्य	**1816**	**56.75**	तृतीय
3	ल.प्र.	**1795**	**56.09**	चतुर्थ
4	शारीरिक	**2338**	**73.06**	प्रथम
	3200 पूर्णांक		**न. = 40**	

Copyright © 2017, Scholarly Research Journal for Interdisciplinary Studies

विज्ञान संकाय के विद्यार्थियों की अधिगम शैली प्राथमिकता आरेख

व्याख्याः- उपरोक्त संख्यात्मक परिणामों से पता चलता है कि विज्ञान संकाय के विद्यार्थी सीखने के क्रम में अधिगम शैली प्राथमिकताओं के रूप में शारीरिक शैली का प्रथम चुनाव करते हुए वह कार्य को करके सीखने में अनुभव प्राप्त करके, प्रयोगात्मक कार्य करके, कुछ रचनात्मक कार्य करके तथा लोगों के साथ चर्चा करके सीखने में प्रमुख प्राथमिकता रखते है साथ ही वह द्वितीय प्राथमिकता में चार्ट, डायग्राम, आरेख, प्रोजेक्टर प्रदर्शन द्वारा सीखना पसन्द करते है। तृतीय एवं चतुर्थ शैली प्राथमिकताओं में वह सूक्ष्म अन्तर रखते हुए शिक्षकों से व्याख्यान सुनकर, स्वयं पुस्तक पढकर, नोट बुक में नोट्स लिखकर, विषय पर आलेख तैयार कर सीखना कम पसन्द करते हैं।

उद्देश्य संख्या 1.1 स्नातक स्तर पर व्यावसायिक पाठ्यक्रम के बी.टेक. संकाय के विद्यार्थियों की अधिगम शैली प्राथमिकताओं का अध्ययन करना।

सारणी संख्या 2 बी.टेक. संकाय के विद्यार्थियों की अधिगम शैली प्राथमिकता सारणी

क्र. सं.	क्षैत्र	प्राप्तांक	प्रतिशत	प्राथ मकता
1	दृश्य	**1848**	**57.75**	तृतीय
2	श्रव्य	**1777**	**55.53**	चतुर्थ
3	ल./प.	**2107**	**65.84**	द् वतीय
4	शारीरिक	**2268**	**70.87**	प्रथम
	3200 पूर्णांक		**न. = 40**	

Copyright © 2017, Scholarly Research Journal for Interdisciplinary Studies

बी.टेक. संकाय के विद्यार्थियों की अधिगम शैली प्राथमिकता आरेख

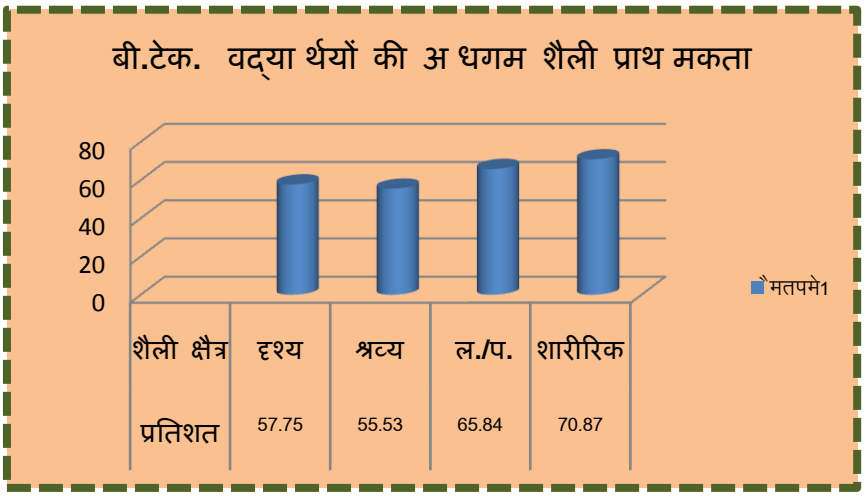

व्याख्या:- अतः उपरोक्त सारणी सारणी विश्लेषण आधारित व्याख्या के रूप में यह सामने आता है कि बी. टेक. पाठ्यक्रम के विद्यार्थी अपने सीखने की प्राथमिकताओं में शारीरिक शैली प्रथम प्राथमिकता देते हुए कार्यात्मक अनुभव द्वारा सीखना पसन्द करते है। वह प्रयोजनाओं पर कार्य करके, रचनात्मक गतिविधियों द्वारा शिक्षकों का अनुकरण करके, स्वयं करके अनुभव प्राप्त कर सीखना पसन्द करते है। अपने द्वितीय चुनाव के रूप में वह प्रयोजनाओं की लिखित क्रियान्विति द्वारा विषय वस्तु सम्बन्धी पुस्तकों कों भी पढना पसन्द करते है। साथ ही वह प्रोजेक्टर द्वारा विषय सामग्री को देख समझकर भी अधिगम अनुभव प्राप्त करते है। लेकिन वह अध्यापक के व्याख्यान सुनना कम पसन्द करते है तथा सेमीनार में भी कम सहभागिता रखते है।

2- स्नातक स्तर पर सामान्य तथा व्यावसायिक पाठ्यक्रम में अध्ययनरत विद्यार्थियों के व्यक्तित्व शील गुणों का अध्ययन करना।

उद्देश्य संख्या 2.1 - स्नातक स्तर पर सामान्य पाठ्यक्रम के विज्ञान संकाय के विद्यार्थी के व्यक्तित्व विशेषको का अध्ययन करना।

Copyright © 2017, Scholarly Research Journal for Interdisciplinary Studies

सारणी संख्या 3 वज्ञान संकाय के वद्यार्थी के व्यक्तित्व कारकों की वशेषण सारणी

क्र.स .	व्यक्तित्व कारक	मध्यमान स्टेन प्राप्तांक	परिणाम
1	ए	5.65	औसत
2	बी	3.1	औसत से निम्न
3	सी	4.35	औसत से निम्न
4	ई	5.2	औसत
5	एफ	4.35	औसत से निम्न
6	जी	4.9	औसत
7	एच	5.9	औसत
8	आई	6.5	औसत से अ धक
9	एल	6.4	औसत
10	एम	5.65	औसत
11	एन	7	औसत से अ धक
12	ओ	9.7	औसत से अ धक
13	क्यू 1	6.15	औसत
14	क्यू 2	6.4	औसत
15	क्यू 3	4.45	औसत से निम्न
16	क्यू 4	5.9	औसत

1 से 4 तक = औसत से निम्न **संख्या = 20**

5 से 6 तक = औसत

7 से 10 तक = औसत से अधिक

Copyright © 2017, Scholarly Research Journal for Interdisciplinary Studies

विज्ञान संकाय के विद्यार्थी के व्यक्तित्व कारक स्टेन प्राप्तांक का आरेख

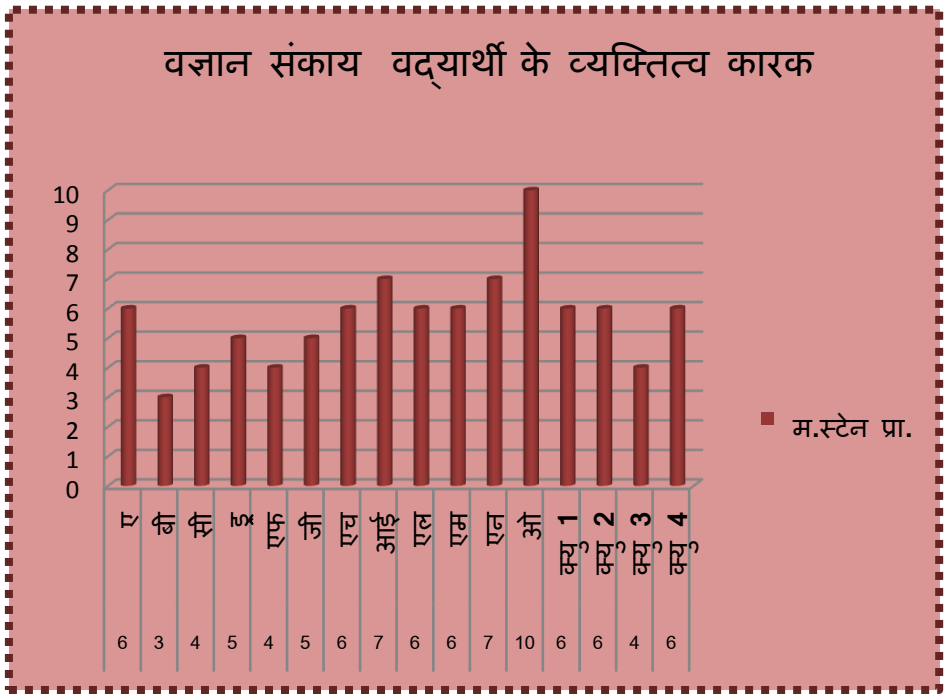

व्याख्या

वज्ञान संकाय के वद्यार्थी व्यक्तिगत वश्लेषणात्मक सोच रखते है वह संवेदनशील होते है। सांसारिक नियमों का पालन करते हुए समय परिस्थिति के अनुसार सोच समझकर निर्णय करते है ।वह प्रायः परिस्थितियों के अनुसार अपने व्यवहार की क्रयान्विति करते है।

उद्देश्य संख्या **2.2** - स्नातक स्तर पर व्यवसायिक पाठ्यक्रम के बी. टेक संकाय के वद्यार्थी के व्यक्तित्व वशेषकों का अध्ययन करना।

सारणी संख्या **4 बी. टेक. संकाय के विद्यार्थी के व्यक्तित्व कारक की विशेषण सारणी**

क्र.स .	व्यक्तित्व कारक	मध्यमान स्टेन प्राप्तांक	परिणाम
1	ए	5.65	औसत
2	बी	3.05	औसत से निम्न
3	सी	4.65	औसत
4	ई	5.9	औसत
5	एफ	4.15	औसत से निम्न

Copyright © 2017, Scholarly Research Journal for Interdisciplinary Studies

6	जी	5.25	औसत
7	एच	5.9	औसत
8	आई	6.75	औसत से अधिक
9	एल	6.65	औसत से अधिक
10	एम	5.65	औसत
11	एन	7.3	औसत से अधिक
12	ओ	7.35	औसत से अधिक
13	क्यू 1	6.45	औसत
14	क्यू 2	6.35	औसत
15	क्यू 3	5.7	औसत
16	क्यू 4	5.75	औसत

1 से 4 तक = औसत से निम्न **संख्या = 20**

5 से 6 तक = औसत

7 से 10 तक = औसत से अधिक

Copyright © 2017, Scholarly Research Journal for Interdisciplinary Studies

बी. टेक संकाय के विद्यार्थी के व्यक्तित्व कारक स्टेन प्राप्तांक का आरेख

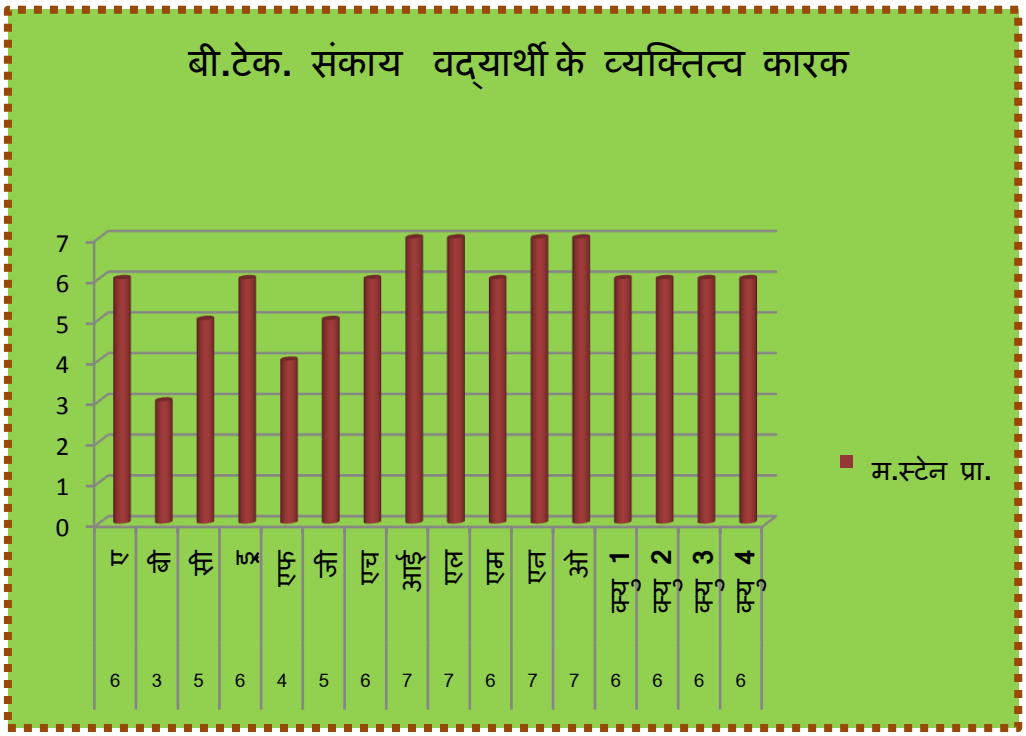

व्याख्या . बी. टेक संकाय के विद्यार्थी औसत कारक प्रदर्शन करते हुए अन्तमुखी व्यक्तित्व रखते हुए कोमल हृयदय के होते है वह जल्दी ही लोगों की बातों पर विश्वास कर लेते है। सघर्ष से बचने के लिए लोगों के बीच रहना पसन्द करते है। वह सामाजिक व्यवहारों को निर्भिकता से निर्वाह करते है। आत्मविश्वास के साथ नवीन परिवर्तन का स्वागत भी करते है तथा जल्द ही तनाव से ग्रसित नहीं होते है।

उद्देश्य संख्या 3. :- **स्नातक स्तर पर सामान्य तथा व्यावसायिक पाठ्यक्रम में अध्ययनरत विद्यार्थियों की अधिगम शैली प्राथमिकताओं की विज्ञान बी.टेक. संकाय में तुलना करना**

परिकल्पना परीक्षण 1 **स्नातक स्तर पर सामान्य तथा व्यावसायिक पाठ्यक्रम के विज्ञान एवं बी.टेक. संकाय के विद्यार्थियों की अधिगम शैली प्राथमिकताओं में कोई सार्थक अन्तर नहीं होता है।**

Copyright © 2017, Scholarly Research Journal for Interdisciplinary Studies

विज्ञान एवं बी.टेक. संकाय के विद्यार्थियों की अधिगम शैली प्राथमिकताओं की तुलनात्मक सारणी 5

क्र .सं.	क्षैत्र	वज्ञान संकाय के वद्यार्थी मध्यमान	मानक वचलन	बी .टेक. संकाय के वद्यार्थी मध्यमान	मानक वचलन	मध्य मान में अन्तर	टीमान-	डिग्री ऑफ फ्रि.=78 पर मान .05=2.03 .01=2.72
1	दृश्य	51.27	8.39	46.2	11.16		2.27	सार्थक अन्तर है
2	श्रव्य	45.4	5.58	44.42	7.29		.66	सार्थक अन्तर नहीं
3	ल.प/	44.87	7.87	52.67	5.91		4.96	सार्थक अन्तर है
4	शारीरिक	58.45	8.18	56.7	13.68		.68	सार्थक अन्तर नहीं

डिग्री आफ फ्रि.=78 आया जिसको 120 पर देखा संख्या =40] 40

विज्ञान एवं बी.टेक. संकाय के विद्यार्थियों की अधिगम शैली प्राथमिकताओं की तुलनात्मक आरेख

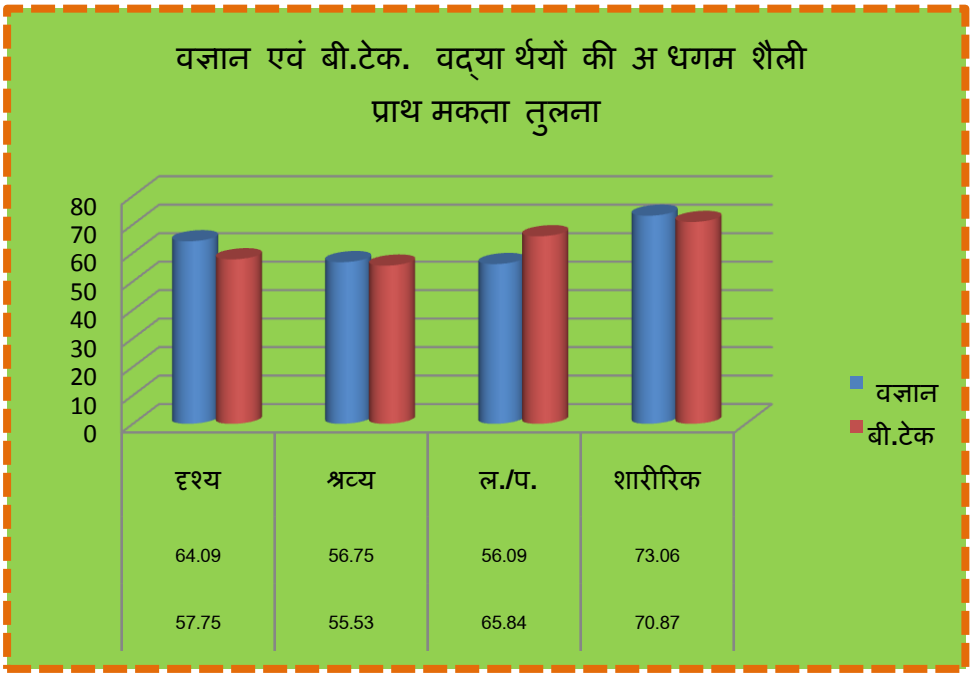

Copyright © 2017, Scholarly Research Journal for Interdisciplinary Studies

व्याख्या:- उपरोक्त सारणी एवं विश्लेषण के पश्चात् हम कह सकते है कि विज्ञान एव बी.टेक. संकाय के अधिगम शैली प्राथमिकताओं में दृश्य और लिखना/पढना शैली में सार्थक अन्तर होता है लेकिन श्रव्य तथा शारीरिक शैली की तुलना में कोई अन्तर नहीं आया। दोनों संकाय के विद्यार्थी अपनी शैली प्राथमिकताओं में समानता रखते है।

परिकल्पना परीक्षण 1 का निष्कर्ष:- उपरोक्त विश्लेषण के पश्चात् हम कह सकते है कि सामान्य तथा व्यावसायिक पाठ्यक्रम के विज्ञान एवं बी.टेक. संकाय के विद्यार्थियों की अधिगम शैली प्राथमिकताओं में दृश्य एवं लिखना/पढना शैली में सार्थक अन्तर पाये जाने के कारण इन दोनों क्षैत्रों में शून्य परिकल्पना संख्या 1 को अस्वीकृत किया जाता है तथा श्रव्य एवं शारीरिक शैली क्षैत्र में कोई सार्थक अन्तर नहीं होने के कारण परिकल्पना संख्या 1 को स्वीकृत किया जाता है।

उद्देश्य संख्या 4 : स्नातक स्तर पर सामान्य तथा व्यावसायिक पाठ्यक्रम के विज्ञान तथा बीटेक संकाय में अध्ययनरत विद्यार्थियों के व्यक्तित्व शीलगुणों की तुलना करना।

परिकल्पना परीक्षण 2: स्नातक स्तर पर सामान्य एवं व्यावसायिक पाठ्यक्रम के विज्ञान तथा बीटेक संकाय में अध्ययनरत विद्यार्थियों के व्यक्तित्व शीलगुणों में कोई सार्थक अन्तर नहीं होता है।

सारणी संख्या 6 विज्ञान तथा बीटेक संकाय के विद्यार्थियों के व्यक्तित्व कारक तुलनात्मक अध्ययन सारणी

क्र. स.	व्यक्तित्व कारक	वज्ञान मध्यमान	मानक वचलन	बीटेक मध्यमान	मानक वचलन	टी मान	डग्रीआफ फ्रडम=120 .05=1.98 .01=2.61
1	ए	11.4	2.50	11.32	2.07	.15	सार्थक अन्तर नहीं
2	बी	6.62	1.78	7.02	2.23	.88	सार्थक अन्तर नहीं
3	सी	12.95	2.51	13.37	1.96	.82	सार्थक अन्तर नहीं
4	ई	12.97	1.58	13.5	2.54	1.10	सार्थक अन्तर नहीं
5	एफ	13.45	2.63	13.82	2.43	.64	सार्थक अन्तर नहीं

Copyright © 2017, Scholarly Research Journal for Interdisciplinary Studies

6	जी	12.65	2.87	13.2	2.18	.96	सार्थक अन्तर नहीं
7	एच	14.55	2.08	14.35	2.06	.43	सार्थक अन्तर नहीं
8	आई	12.5	2.53	13.22	2.94	1.16	सार्थक अन्तर नहीं
9	एल	11.82	2.51	12.6	3.08	1.23	सार्थक अन्तर नहीं
10	एम	12.95	2.08	13.6	2.87	1.16	सार्थक अन्तर नहीं
11	एन	11.9	2.10	12.97	3.37	1.69	सार्थक अन्तर नहीं
12	ओ	13.5	2.01	14.22	2.66	1.41	सार्थक अन्तर नहीं
13	क्यू 1	12.1	2.14	13.32	3	2.06*	सार्थक अन्तर
14	क्यू 2	12.22	2.43	13.65	3.17	2.23*	सार्थक अन्तर
15	क्यू 3	12.25	2.14	13.15	2.86	3.33**	सार्थक अन्तर
16	क्यू 4	13.92	2.21	13.72	3.11	.32	सार्थक अन्तर नहीं

डिग्री आफ फ्रिडम 78 आया जिसको 120 पर देखा संख्या = 40,40

*** .05 स्तर पर**

**** .01 स्तर पर**

व्याख्या - विज्ञान एवं बीटेक विद्यार्थियों के व्यक्तित्व कारको का तुलनात्मक अध्ययन तथा प्रत्येक कारक का सूक्ष्म विश्लेषण करने के पश्चात् यह कहा जा सकता है कि दोनो संकायों के मध्य व्यक्तित्व कारक - ए, बी, सी, ई, एफ, जी, एच, आई, एल, एम, एन, ओ, तथा क्यू 4 के कारकों में दोनों संकाय के विद्यार्थी अपने व्यक्तित्व शीलगुणों में समानता रखते हुए सार्थक अन्तर नहीं पाया गया तथा कारक - क्यू 1, क्यू 2 तथा क्यू 3 पर व्यक्तित्व शीलगुणो में असमानता रखते हुए सार्थक अन्तर पाया गया। जिसके कारण वह भिन्न व्यवहारों का प्रदर्शन करते है।

Copyright © 2017, Scholarly Research Journal for Interdisciplinary Studies

परिकल्पना संख्या 2 का निष्कर्ष - विज्ञान एवं बीटेक विद्यार्थियों के व्यक्तित्व कारकों का तुलनात्मक अध्ययन करने के पश्चात् दोनों संकायों के मध्य 16 व्यक्तित्व कारकों में से 13 व्यक्तित्व कारक - ए, बी, सी, ई, एफ, जी, एच, आई, एल, एम, एन, ओ, तथा क्यू 4के समान होने तथा उनमें कोई सार्थक अन्तर नहीं पाये जाने के कारण शून्य परिकल्पना संख्या 2 को स्वीकृत किया जाता है । हम कह सकते है कि - ''स्नातक स्तर पर सामान्य एवं व्यावसायिक पाठ्यक्रम के विज्ञान एवं बीटेक संकाय में अध्ययनरत विद्यार्थियों के व्यक्तित्व शीलगुणों में सार्थक अन्तर नहीं पाया जाता

उद्देश्य संख्या 5 :- स्नातक स्तर के सामान्य पाठ्यक्रम के विज्ञान संकाय में अध्ययनरत विद्यार्थियों की अधिगम शैली प्राथमिकता एवं व्यक्तित्व शीलगुणों के बीच सह सम्बन्ध का अध्ययन करना।

परिकल्पना परीक्षण संख्या 3 :- स्नातक स्तर के सामान्य पाठ्यक्रम के विज्ञान संकाय में अध्ययनरत विद्यार्थियों की अधिगम शैली प्राथमिकता एवं व्यक्तित्व शीलगुणों के बीच कोई सार्थक सह सम्बन्ध नहीं होता है।

सारणी संख्या 7 विज्ञान संकाय के विद्यार्थियों की अधिगम शैली प्राथमिकता एवं व्यक्तित्व शीलगुणों में सहसम्बन्ध सारणी:-

अ धगम शैली व्यक्तित्वकारक	दृश्य	श्रव्य	ल.प/	शारीरिक
ए	.-61	.24	-.02	.19
बी	.14	-.29	-.27	.30
सी	.47	.04	.14	-.10
ई	.42	.01	.05	.22
एफ	.10	-.24	.11	-.05
जी	.-20	.27	-.19	.21
एच	.19	.25	.12	-.14
आई	.-16	.26	.17	.08
एल	.-11	.25	-.17	-.03
एम	.-1	.16	.26	-.16
एन	.-09	-.38	-.00	.25
ओ	.15	-.06	-.26	.01
क्यू 1	-.00	.20	-.40	.23
क्यू 2	-.03	.00	.40	.03

Copyright © 2017, Scholarly Research Journal for Interdisciplinary Studies

क्यू 3	.09	.01	-.04	.08
क्यू 4	.01	.02	.08	-.07

सं्ख्या =40,40

व्याख्या:- उपरोक्त विश्लेषण के उपरान्त यह कहा जा सकता है कि दृष्य शैली प्राथमिकता देने वाले विद्यार्थी ओपचारिक व्यवहारों को करते हुए भावनाओं से प्रभावित शान्त प्रवृति के एवं आज्ञाकारी होते है। श्रव्य शैली को प्राथमिकता देने वाले दुसरों के प्रति सजग रहते हुए नियम पालन की चेतनशीलता रखते है। वह सौन्दर्यवादी, भावुक, कमबुद्विमान एवं गम्भीर होते है। लिखना/पढना शैली को प्राथमिकता देने वाले ठोस सोच रखते हुए आत्मविश्वासी एवं शालीन होते है। शारीरिक शैली प्राथमिकता रखने वाले परम्पराओं में विश्वास रखते हुए एकान्त में रहते है। अपने विचार दूसरों के साथ साझा नही करते है।

परिकल्पना संख्या 3 का निष्कर्ष:- दृश्य शैली का कारक,- ए, सी, ई, श्रव्य शैली का कारक - ए, जी, एच, आई, एल, लि/प. शैली का कारक - एम, क्यू 2 तथा शारीरिक शैली का कारक - बी, ई, जी, एन, तथा क्यू 1 के साथ धनात्मक सार्थक सह सम्बन्ध होने से उपरोक्त शैली एवं व्यक्तित्व कारक सन्दर्भ में परिकल्पना संख्या 3 अस्वीकृत की जाती है। तथा शेष शैली प्राथमिकता एवं व्यक्तित्व कारकों के सह सम्बन्ध सन्दर्भ में परिकल्पना 3 को स्वीकृत किया जाता है।

उद्देश्य संख्या 5.1:- स्नातक स्तर के व्यवसायिक पाठ्यक्रम के बीटेक संकाय में अध्ययनरत विद्यार्थियों की अधिगम शैली प्राथमिकता एवं व्यक्तित्व शीलगुणों के बीच सह सम्बन्ध का अध्ययन करना।

परिकल्पना परीक्षण संख्या 3.1 :- स्नातक स्तर के व्यवसायिक पाठ्यक्रम के बीटैक संकाय में अध्ययनरत विद्यार्थियों की अधिगम शैली प्राथमिकता एवं व्यक्तित्व शीलगुणों के बीच कोई सार्थक सह सम्बन्ध नहीं होता है।

Copyright © 2017, Scholarly Research Journal for Interdisciplinary Studies

सारणी संख्या 8 बीटेक संकाय के विद्यार्थियों की अधिगम शैली प्राथमिकता एवं व्यक्तित्व शीलगुणों में सहसम्बन्ध सारणी:-

अ धगम शैली व्यक्तित्वकारक	दृश्य	श्रव्य	ल.प/	शारीरिक
ए	.-54	.21	.21	.39
बी	.66	-.09	.19	.25
सी	.78	.04	-.01	.06
ई	.-23	.39	-.64	.10
एफ	.-19	.14	-.17	.08
जी	.-03	.14	-.11	-.00
एच	.08	.22	-.10	-.02
आई	.41	-.32	.19	.49
एल	.-28	-.41	.04	.51
एम	.24	-.21	.13	.30
एन	.-26	-.38	.22	.36
ओ	.-01	-.18	.46	-.90
क्यू 1	-.32	-.24	.16	.25
क्यू 2	-.21	-.37	.22	.42
क्यू 3	-.13	-.34	.07	.30
क्यू 4	-.29	.48	.37	-.11

सं्ख्या =40

व्याख्या:- उपरोक्त व्यक्तित्व कारक एवं अधिगम शैली क्षैत्र के सहसम्बन्ध के विश्लेषण के पश्चात् हम यह कह सकते है कि बीटेक संकाय के जो विद्यार्थी दृश्य शैली को प्राथमिकता देते है वह अपनी उच्च मानसिक क्षमता के कारण निर्णायक सोच रखते है। भावनात्मक रूप से स्थिर एवं वातावारण के साथ सहज रूप से अनुकुलित होते हे। वह उर्जावान एवं समय के अच्छे उपयोग कर्ता होते है। जो विद्यार्थी श्रव्य शैली को प्राथमिकता देते है वह संघर्ष का सामना नही कर पाने पर तनावग्रस्त हो जाते है। लिखना पढना शैली को प्राथमिकता देने वाले विद्यार्थी अपने कार्यो को लेकर असंतुष्ट रहते हुए अपराध की भावना रखते है। शान्त प्रवृति के होते है। शारीरिक शैली प्राथमिकता देने वाले विद्यार्थी सौन्दर्यवादी, भावुक एवं कोमल मन वाले होते है। लोगों के व्यवहारों तथा वातावरण के प्रति सतर्क रहते है। आत्मनिर्भर रहना उन्हें अच्छा लगता है।

Copyright © 2017, Scholarly Research Journal for Interdisciplinary Studies

परिकल्पना संख्या 4 **का निष्कर्ष**:- **दृश्य शैली का कारक**,- **बी सी आई एम श्रव्य शैली का कारक - ए ई एच क्यू** 4 **लि/प. शैली का कारक - ए एन ओ क्यू** 2 **क्यू** 4 **शारीरिक शैली का कारक - ए बी आई एल एम एन क्यू** 1 **क्यू** 2 **तथा क्यू** 3 **के साथ धनात्मक सार्थक सह सम्बन्ध होने से उपरोक्त शैली एवं व्यक्तित्व कारक सन्दर्भ में परिकल्पना संख्या** 3.1 **अस्वीकृत की जाती है। तथा शेष शैली प्राथमिकता एवं व्यक्तित्व कारकों के सह सम्बन्ध सन्दर्भ में परिकल्पना** 3.1 **को स्वीकृत किया जाता है।**

शैक्षिक निहितार्थ:-

- **शोध के प्राप्त परिणामो के द्वारा यह पता चला कि सामान्य तथा व्यावसायिक शिक्षा पाठ्यक्रम में अध्यनरत विद्याथियो की अधिगम शैली प्राथमिकता क्या है जिससे संकाय विषय से जुड़े छात्र इन व्यक्तित्त्व शीलगुणों के साथ अधिगम शैली को प्राथमिकता से अपने शैक्षिक व्यवहारों में अपनाने मे सहायता मिलेगी तथा अपने अधिगम संगठनो को स्थाई बनाने में सफल होंगे।**
- **शिक्षकों को अनुसन्धान के परिणामो द्वारा सामान्य शिक्षा पाठ्यक्रम व्यावसायिक शिक्षा पाठ्यक्रम में अध्यनरत विद्यार्थियो के व्यक्तित्त्व शीलगुणों की भिन्नता आधारित अधिगम शैली प्राथमिकता को जानकर वह अपने शिक्षण कार्य में इन शैली का समावेश कर शिक्षण अधिगम कार्य के उद्येश्य प्राप्ति में सफल होंगे।**
- **शिक्षकों को अनुसन्धान के परिणामो द्वारा सामान्य शिक्षा पाठ्यक्रम व्यावसायिक शिक्षा पाठ्यक्रम में अध्यनरत विद्यार्थियो के व्यक्तित्त्व शीलगुणों की भिन्नता आधारित अधिगम शैली प्राथमिकता को जानकर वह अपने शिक्षण कार्य में इन शैली का समावेश कर शिक्षण अधिगम कार्य के उद्येश्य प्राप्ति में सफल होंगे।**

उपसंहार:- ‘‘**सम्भावनाए असीम है और प्रयास भी**‘‘ **इस उक्ति को ध्यान में रखकर उक्त अधिगम शैली प्राथमिकता एव व्यक्तित्व शीलगुणों आधारित यह शोधकार्य सामान्य एव व्यवसायिक पाठ्यक्रम के तुलनात्मक दृष्टिकोण एवं सहसम्बन्ध के सन्दर्भ में शोधार्थी द्वारा किया गया। जिसके शोध निष्कर्ष यह थे कि बीटेक एवं विज्ञान संकाय के छात्र शारीरिक शैली को प्राथमिकता देते है। विज्ञान संकाय के छात्र विश्लेषणात्मक सोच रखते हुए परिस्थितियों के अनुसार व्यवहारों की क्रियान्विति करते है। बीटेक संकाय के छात्र अन्तमुखी व्यक्तित्व के होते है। वह परिस्थितियों का तनाव नहीं लेते है। दोनों संकायों के बीच दृश्य एवं लिखना/पढना शैली में अन्तर पाया जाता है। लेकिन विज्ञान तथा बीटेक संकाय के विद्यार्थियों के व्यक्तित्व कारकों में कोई सार्थक अन्तर नहीं होता है। विज्ञान एवं बीटेक संकाय के विद्यार्थियों में अधिगम शैली एवं व्यक्तित्वशीलगुणों में कुछ करकों के सन्दर्भ में सार्थक सहसम्बन्ध पाया गया।**

Copyright © 2017, Scholarly Research Journal for Interdisciplinary Studies